Hindi Murli Quiz 29-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **बापदादा ने विदेशी भाई-बहनों को सेवा वा धारणा के विषय में जो सुझाव दिये उन पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें----**

	Choice	Match
A	अभी सभी इन्तजार कर रहे हैं ,	कि कब फारेन की आवाज से भारत के कुम्भकरण जागते हैं।
B	चारों ओर फैल जाए कि अगर शान्ति, सुख या प्रेम चाहिए तो,	यहाँ से मिल सकता है।
C	आजकल वाणी की बजाय,	वायब्रेशन्स से प्राप्ति करने के इच्छुक ज्यादा हैं।
D	स्पीच करो लेकिन उसके पहले ऐसा वातावरण बनाओ,	जिससे आत्माओं की शान्ति, सुख की प्यास बुझ जाए।
E	याद की यात्रा में,ज्ञान स्वरूप में, धारणा में, सेवा में,	चारों सबजेक्टस में 'निरन्तर' को डबल अन्डरलाइन करो।

Q.2) **आधाकल्प बच्चों ने गाया कि अपना वतन छोड़कर आ जाओ लेकिन यह मालूम नहीं था कि बाप कब और कैसे मिलेगा। सिर्फ ------------में दिन बिताये। अभी -----------खत्म हुआ और सम्मुख मिलन मना रहे हो ! स्वप्न में भी ऐसा नहीं सोचा होगा कि भगवान से बातें करेंगे, टोली खायेंगे, बैठेंगे और अब सब बातें प्रैक्टिकल में अनुभव कर रहे हो।**
[एक सटीक उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें]

A. ○ भक्ति
B. ◉ इन्तजार
C. ○ दुःख
D. ○ उम्मीद

Q.3) **ब्राहमण अर्थात् अधिकारी। बाप-दादा सभी को सदैव ---------और ताज धारी देखते हैं। जो श्रेष्ठ आत्मायें होती हैं वह कभी भी बिना गलीचे के नीचे पाँव नहीं रखतीं। आप सबसे बड़े-से-बड़े हो तो ---------- से नीचे पाँव नहीं रखना। तुम ---------- पर ही खाते हो, पीते हो, घूमते हो, चलते हो इतना बड़े-से-बड़ा ---------- है।**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें]

A. ○ ताज
B. ○ तिलक
C. ◉ तख़्त

Q.4) **भक्ति वालों की तरह मास्टर भाग्य-विधाता बच्चे भी छोटी-छोटी बातों की गुड़ियों का खेल बहुत करते हैं। रीयल बात नहीं होती लेकिन हिसाब-किताब चुक्तु होने के लिए व धारणाओं का पेपर लेने के लिए यह बातें जब सामने आती हैं, तो आप भी कभी ईर्ष्या की, कभी अनुमान की और कभी आवेश की गुड़िया अर्थात् मूर्ति बनाकर बात रूपी गुड़िया में प्राण भर देते हो और फिर ज्ञान की प्वाँइन्ट्स उल्टे रूप से सोचते हो अर्थात भोग लगाते हो। फिर उन प्वाँइन्टस को अर्थात् भोग को अपने साथ-साथ कुटुम्ब वालों की बुद्धि को भी स्वीकार कराते हो। लेकिन अन्त में मास्टर नॉलेजफुल स्वरूप की लहरों में इन गुड़ियों को अथवा मूर्तियों को डुबोना ही पड़ता है। लेकिन संगम का सर्वश्रेष्ठ समय और ज्ञान वा शक्तियों का खजाना इतना व्यर्थ हो जाता है।**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.5) **– वरदान और स्लोगन पर आधारित सभी सही वाक्यों का चयन करें -------**

A. ☑ सर्व के प्रति महादानी और वरदानी बनो।
B. ☑ विश्व की तडपती हुई आत्माओं को रास्ता बताने के लिए साक्षात बाप समान लाइट हाउस, माइट हाउस बनो।
C. ☑ लक्ष्य रखो कि हर आत्मा को कुछ न कुछ देना है। चाहे मुक्ति दो चाहे जीवनमुक्ति।
D. ☐ देहभान की एक्सरसाइज और व्यर्थ संकल्प रूपी भोजन से स्वयं को तन्दरूस्त बनाओ।
E. ☑ ऐसी पावरफुल वृत्ति बनाओ जिससे वायुमण्डल बने।
F. ☑ अभी एक स्थान पर रहते मन्सा शक्ति द्वारा वायुमण्डल, वायब्रेशन द्वारा विश्व सेवा करो।

Q.6) **आजकल भी भाग्य की रेखाओं में मुख्यत: तिथि, समय, राशि, दशा, कुल और सम्पत्ति आदि देखा जाता है। बापदादा उसी अनुसार ब्राहमणों के भाग्य को देख उनके ऊंच और सबसे श्रेष्ठ भाग्य की याद दिला रहे हैं। इस पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें ---**

	Choice	Match
A	आप सबकी जन्म की तारीख कौन-सी है?	जो बाप के अवतरण की तारीख है वही आपकी है।
B	आप के जन्म का समय क्या है?	यह संगम ब्रह्मा मुहूर्त का समय है।
C	सभी के जन्म की राशि कौन-सी है?	जो बाप की राशि है विश्व-कल्याणकारी, वही आप सबकी राशि है।
D	आप के जन्म की दशा कौन सी है ?	दशा भी गुरूवार की दशा है।
E	कुल और पोजीशन क्या हैं ?	डायरेक्ट ईश्वर के कुल के हो और पोजीशन-मास्टर सर्वशक्तिमान हो।
F	सम्पत्ति कितनी है?	अखुट और अविनाशी सम्पत्ति है।
G	भाग्य का सितारा क्या कहता है ?	भाग्य के सितारे में ताज और तख्त दिखाई देता है।

Q.7) **"प्लान लम्बे नहीं बनाओ लेकिन प्रैक्टिकल के और जल्दी के बनाओ । उसके लिए यही इशारा है कि अपना तन-"मन-धन शक्तियाँ जितना जल्दी यूज करेंगे उतना फायदा है। अभी समय है, फिर टू-लेट हो जायेंगे । करने के लिए डेट का इन्तजार नहीं करो, कल भी नहीं, आज भी नहीं, अभी करो । क्योंकि अगर डेट बतायेंगे तो बहुत समय का जमा नहीं होगा - डेट का जमा हो जायेगा। फिर डेट की इन्तजार में चले जायेंगे। इन्तजाम कम करेंगे। ------ कान्सेस हो जायेंगे। ------- कान्सेस नहीं रहेंगे।"**
[निम्नलिखित चार जोड़ी में से एक सबसे सटीक जोड़े से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. ○ सोल , डेट
B. ○ पॉवर , पोजीशन
C. ◉ डेट , सोल
D. ○ साकार , आकार

Q.8) **विदेशी भाई-बहनों से बापदादा ने कहा कि "तुमको सदैव यह अनुभव हो कि मैं आत्मा परमधाम से अवतरित हुई हूँ,विश्व कल्याण का कर्तव्य करने के लिए।"**
इस स्मृति के परिणाम स्वरूप होने वाली विभिन्न प्रकार की सेवाओं का चयन करें ------

A. ☑ जो भी बोल बोलेंगे या जहाँ भी नजर जायेगी, सर्व का कल्याण ही होगा ।
B. ☑ इस स्म्रति से जो भी संकल्प करेंगे अथवा जो भी कर्म करेंगे, सर्व का कल्याण करते रहेंगे ।
C. ☑ जो भी सामने आयेगा वह महसूस करेगा कि मैं ऐसे स्थान पर पहुँच गया हूँ जहाँ से सर्व प्राप्तियाँ होनी हैं।
D. ☑ यह स्मृति लाइट हाउस का कार्य करेगी।

Q.9) **"संगम पर तो बच्चों को कोई कष्ट हो नहीं सकता। इस समय आप बच्चे बाप के सर्व खजानों अर्थात सुख, शान्ति, आनन्द, प्रेम इत्यादि के अधिकारी हो ! तो अधिकारी और खुश ना रहे, यह हो कैसे सकता है। अमृतवेले सदा स्मृति का तिलक लगाओ कि हम अधिकारी हैं। अगर तिलक लगा होगा तो सदा हर्षित रहेंगे। माया कितना भी मिटाने की कोशिश करे लेकिन मिटाना नहीं ।"**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.10) **वर्तमान समय के प्रमाण अभी वानप्रस्थ अवस्था के समीप हो। वानप्रस्थी एकान्त और सुमिरण में रहते हैं। तो आप सब बेहद के वानप्रस्थी सदा एक के अन्त में अर्थात् निरन्तर एकान्त में सदा स्मृति स्वरूप रहो। यह है बेहद के वानप्रस्थी की स्थिति । अब बाप व आप एक ही बात चाहते हो कि बाप और बच्चे समान हो जाएं। सदा याद में समाये रहें। समान बनना ही समाना है।**

A. ◉ True / ये वाक्य सही है
B. ○ False / ये वाक्य गलत है